पाठ - 25 हिंदी कविता की विकास यात्रा

मुख्य भाव

इस पाठ में हिंदी कविता के विकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है, जैसे – काल विभाजन, नामकरण, विभिन्न कालों की विशेषताएं आदि इस पाठ को पढ़ने के बाद आपको कविता की समझ पैदा होगी और आप आसानी से कवियों की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे साथ ही प्रश्नों के उत्तर बेहतर तरीके से दे सकेंगे

मुख्य स्मरणीय बातें

हिंदी कविता के विविध सोपान : काल विभाजन तथा नामकरण

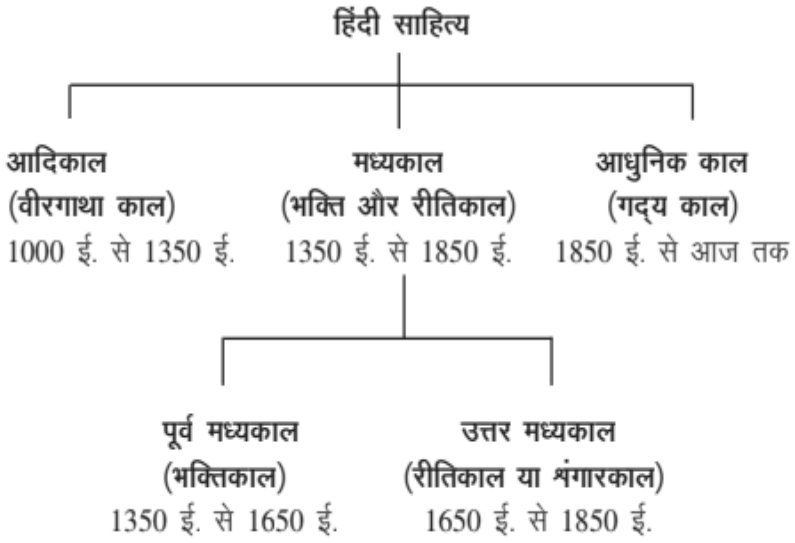

आदिकाल : प्रमुख साहित्य रूप और रचनाकार

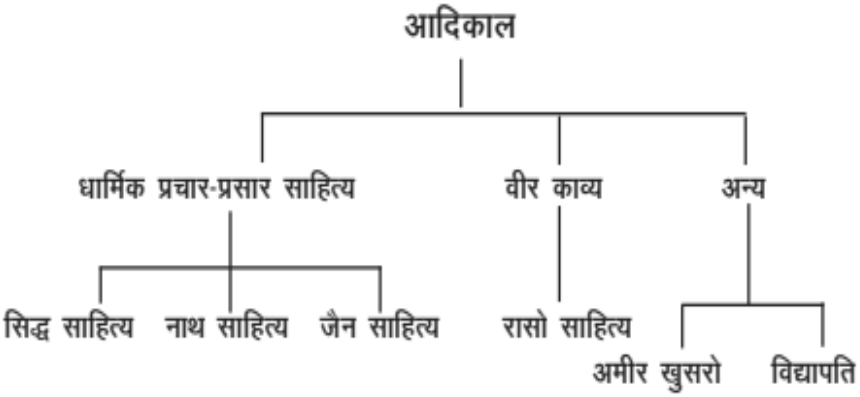

प्रमुख विशेषताएं

- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य और जैन साहित्य – अध्यात्म का प्रसार तथा नीति साहित्य
- वीरगाथात्मक साहित्य –जनभाषा में दरबारी कवियों द्वारा अपने आश्रयदाताओं के गुणों और शौर्य का वर्णन
- प्रबंधकाव्य तथा वीर गीत – चंदबरदाई कृत 'पृथ्वीराज रासो' और नरपति नाल्ह कृत 'बीसलदेव रासो'
- खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियां
- विद्यापति के कृष्णभक्ति के पदों में श्रृंगार तथा भक्ति का समन्वय

भक्तिकाल : विभिन्न धाराएँ

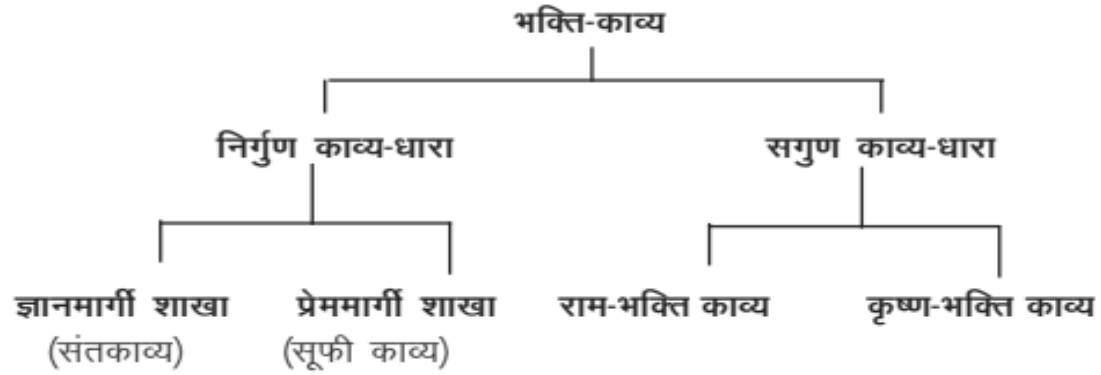

भक्तिकाल – प्रमुख कवि

- संत काव्य – कबीरदास, रैदास, नानक, दादू, मलूकदास आदि
- सूफी काव्य – जायसी, कुतुबन, मंझन, मुल्ला दाऊद आदि
- राम काव्य – तुलसीदास, अग्रदास, नाभादास आदि
- कृष्ण काव्य – सूरदास, कुम्भनदास, परमानंददास, नंददास आदि

संत काव्य की प्रमुख विशेषताएं

- ईश्वर को रूप-गुण से रहित मानकर उसके नाम की उपासना पर बल दिया। अवतारवाद स्वीकार नहीं।
- ईश्वर प्राप्ति में माया को बाधक कहकर उसका तिरस्कार।
- गृहस्थ जीवन में रहते हुए ईश्वर भजन का उपदेश।
- माला फेरने, मूर्ति.पूजा करने, तीर्थ आदि में जाने को धार्मिक आडंबर कहकर उनका खंडन । वर्णों के आधार पर लोगों को ऊँचा या नीचा, श्रेष्ठ तथा हीन समझने वाली वर्ण-व्यवस्था की निंदा और हँसी उड़ाई।
- संतों ने मुख्यतः गेय मुक्तकों की रचना की।
- सूक्तियों का प्राचुर्य।
- संतों की भाषा सरल। इसमें अनेक भारतीय भाषाओं के शब्द घुले-मिले हैं, इसलिए इसे सधुक्कड़ी अथवा खिचड़ी भाषा के नाम से भी जाना जाता है।

सूफी काव्य की विशेषताएँ :

- सूफियों में प्रायः कथा-काव्य (प्रबंधकाव्य)।
- इस्लाम, वेदांत और भारतीय लोक-संस्कृति का सुंदर समन्वय।
- आत्मा-परमात्मा के बीच आत्मा को प्रेमी और परमात्मा को प्रेमिका माना।
- लौकिक प्रेम-कथाओं के माध्यम से अलौकिक ईश्वर-प्रेम का वर्णन इसलिए काव्य प्रतीकात्मक हैं। प्रेम और विशेषतः विरह की प्रधानता।
- भाषा अवधी है।
- शैली मसनवी। मसनवी ऐसे कथाकाव्य का प्रतिरूप है, जो महाकाव्य के निकट पहुँचता है।
- सबसे अधिक प्रसिद्ध जायसी हैं और उनका 'पद्मावत' अत्यंत प्रसिद्ध ग्रंथ है।

सगुण काव्य की विशेषताएँ

- जाति-पाँति में विश्वास नहीं करते थे और सभी को भक्ति का अधिकारी माना ।
- सगुण भक्त कवियों के आराध्य लीला करते हैं
- गुरु को महत्त्व दिया गया।
- इनके अनुसार ज्ञान से ईश्वर नहीं मिलते, इनकी भक्ति ईश्वर के नाम, गुण, रूप और लीला का स्मरण और वर्णन तथा उसके प्रति समर्पण भाव से प्रकट होती है।
- इनके काव्य में नवधा भक्ति को आधार बनाया गया है।

रीतिकाल की धाराएँ तथा प्रमुख कवि

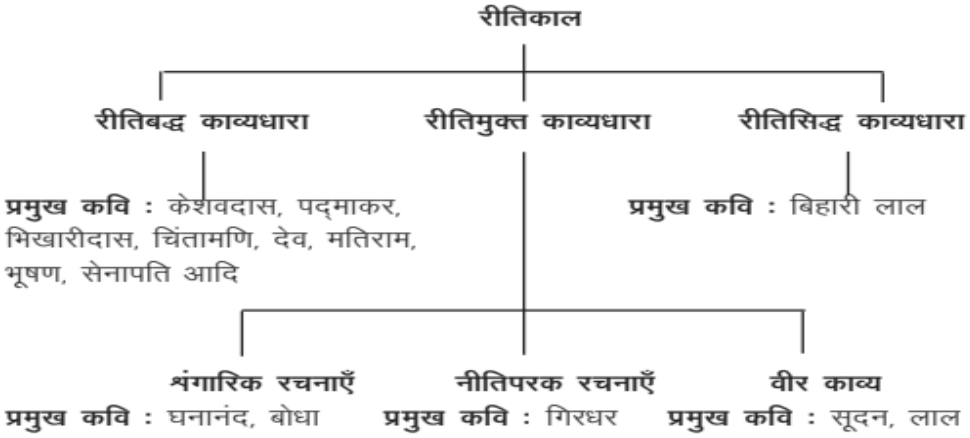

रीतिकाल की मुख्य विशेषताएं

- श्रृंगारिकता
- आलंकारिकता
- भक्ति और नीति
- काव्य-रूप
- ब्रजभाषा
- लक्षण ग्रंथों का निर्माण
- वीर रस की कविता
- प्रकृति चित्रण
- नारी चित्रण
- नायिका-भेद वर्णन

आधुनिक काल : स्वरूप और वर्गीकरण

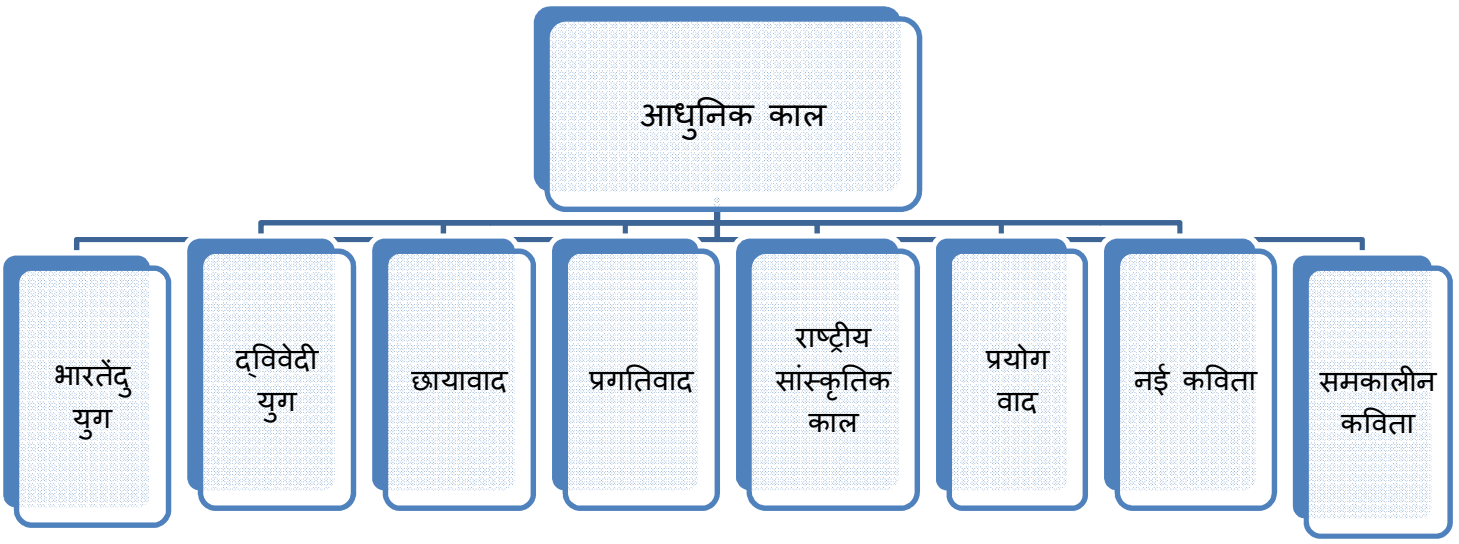

आधुनिक काल में हिंदी में गद्य.लेखन भी होने लगा। इसीलिए आधुनिक काल को गद्य काल भी कहा गया है। आधुनिक काल का प्रारंभ 1850 ई. से होता है। आधुनिक काल के पहले अवधी, ब्रजभाषा आदि में काव्य रचना होती थी। आधुनिक काल में खड़ी बोली का प्रयोग होने लगा और परंपरागत विषयों और काव्य शैलियों से हटकर नवीनता की ललक दिखलाई पड़ने लगी। इस काल की कविताओं को निम्नलिखित खंडों में बाँटकर पढ़ते हैं:

- भारतेंदु युग (देशभक्ति, समाज सुधार का प्रमुख स्वर)
- द्विवेदी युग (मानवतावाद, आदर्श, प्रकृति चित्रण की कविता। 'हरिऔध', गुप्त जी आदि कवि)
- छायावाद (प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी)। वैयक्तिकता, सौंदर्य और प्रेम का आंतरिक पक्ष, रहस्यवाद, मानवतावाद और भाषा-शैली तथा छंद में युगांतर
- राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य (नवीन, माखनलाल चतुर्वेदी, दिनकर आदि कवि)
- छायावादोत्तर कवि तथा प्रगतिवाद (बच्चन, अंचल, सुमन, नागार्जुन, केदार, आदि। मार्क्सवाद से प्रेरित कविता)
- प्रयोगवाद तथा नई कविता
- आज की कविता

अपना मूल्यांकन कीजिए

1. हिंदी कविता के कौन-कौन सोपान हैं?
2. आधुनिक काल की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. रीतिकाल को कितने प्रस्तुत कीजिए।